श्याम बाबा दरबार में माननीय अध्यक्ष जी का संबोधन

———

श्याम दरबार में मैं श्याम बाबा को प्रणाम करता हूँ और आप सभी श्रद्धालु, जो श्याम बाबा के दरबार में आए हैं, उन सबको प्रणाम करता हूँ। आज हम सब श्याम बाबा के मंदिर के प्रांगण में श्याम दरबार के इस अद्भुत मंदिर के अंदर सभी श्रद्धालु भगत उनको प्रणाम करने आए हैं। आज का दिन विशेष रूप से भी बड़ा सौभाग्य का दिन है, क्योंकि आज श्याम बाबा के दरबार पर 121 फीट की ध्वजा लगी है। यह विराट ध्वजा, श्याम बाबा का विराट स्वरूप, उनका विराट व्यक्तित्व, उनका विराट दर्शन तथा श्याम बाबा की विभिन्न कलाएं, हम सबको आज भी जीवन जीने की राह बताती है। हर चुनौतियों, हर कठिनाइयों तथा हर परेशानियों के लिए राह दिखाने का काम श्याम बाबा के दरबार में होता है। हारे का सहारा श्याम बाबा। इस जीवन के अंदर आध्यात्मिक और धर्म के प्रति हमारी आस्था है और हमारा समाज सदियों से धर्म की आस्था पर चला है। यह धर्म की आस्था हमारे जीवन के अंदर जीवन जीने की कला बताती है। जीवन को सत्य के मार्ग पर चलाने का रास्ता बताती है।

हमारे हाथों से कभी असत्य या पाप न हो, इसके लिए श्याम बाबा हमें दर्शन भी देते हैं और मार्गदर्शन भी करते हैं। राजस्थान की धरती खाटू श्याम बाबा का दरबार, सालासर बाला जी का दरबार आदि विभिन्न आध्यात्मिक और धर्म की धरती है। इस धरती के अंदर अध्यात्म है, धर्म है, शक्ति है, शौर्य है और इसीलिए राजस्थान की धरती आध्यात्मिक और सांस्कृतिक धरती के रूप में पूरे विश्व में जानी जाती है।

हमें सौभाग्य मिला है कि हम राजस्थान की धरती पर पैदा हुए हैं। आज आप सब यहां पर श्याम दरबार में शीश नवाने आए हैं, हम श्याम बाबा से एक ही प्रार्थना करते हैं कि बाबा, सबका कल्याण हो, सबके जीवन में समृद्धि आए, खुशहाली आए और सब अपने जीवन के अंदर अपने कर्मों को करते हुए सत्य के मार्ग पर चलें। यही खाटू श्याम बाबा का हमें संदेश है।

मैं विशेष रूप से श्याम बंधु परिवार के अध्यक्ष इंजीनियर राजाराम जी को धन्यवाद दूंगा, जिन्होंने आज यहां पर ध्वजा भी फहराई, हमें श्याम दर्शन करने का अवसर भी मिला और उस दिन

भजन श्रवण का मौका भी मिलेगा। यह प्रभु की कृपा होती है, जिस पर प्रभु की कृपा होती है, वही प्रभु के दरबार में आता है और उन्हीं को भजन सुनने का अवसर मिलता है।

इसीलिए कहते हैं कि भागवत कथा सुनने का मौका भी प्रभु की कृपा से आता है और भागवत कथा सुनता है, उसकी नैया अपने आप पार हो जाती है, क्योंकि जन्म से मृत्यु के उत्सव को हम भागवत कथा में सुनते हैं। आप सबको पुन: प्रणाम। श्याम बाबा का आशीर्वाद हम सब पर बना रहे। इस इलाके में समृद्धि हो, खुशहाली हो, यही मैं श्याम बाबा के दरबार में प्रार्थना करता हूं। बहुत-बहुत धन्यवाद। श्याम बाबा की जय। श्याम बाबा की जय । श्याम बाबा की जय । खाटू दरबार की जय । सालासर महाराज की जय ।